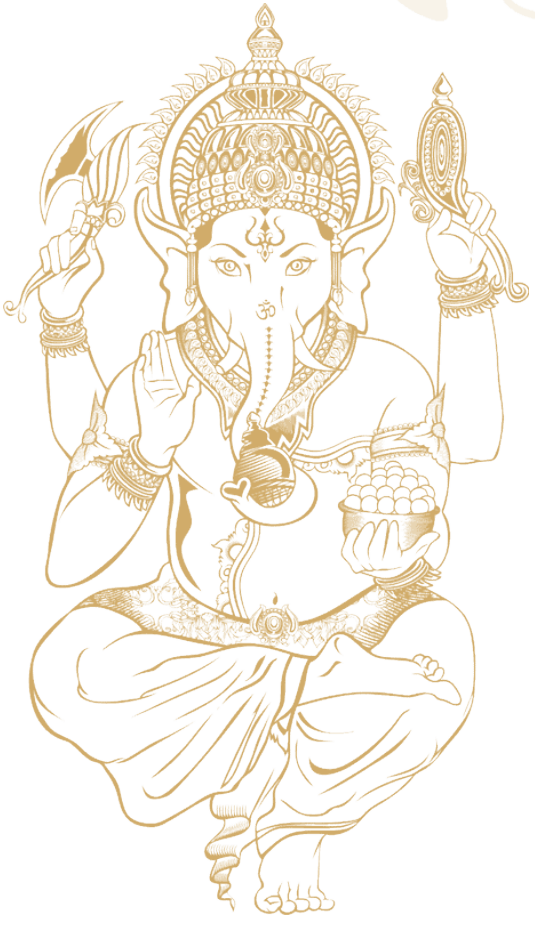

Parita kaushik

14 Oct 1993

12:16 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121832303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/1993**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:16:00 घंटे**
इष्ट	14:44:50 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:54:04 घंटे
वेलान्तर	00:13:58 घंटे
साम्पातिक काल	13:25:22 घंटे
सूर्योदय	06:22:03 घंटे
सूर्यास्त	17:53:35 घंटे
दिनमान	11:31:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:09:55 कन्या
लग्न के अंश	13:28:23 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:28:23	343:54:33	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	27:09:55	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			कन्या	10:01:02	15:14:21	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	17:57:33	00:41:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध			तुला	22:00:42	00:58:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	00:22:41	00:13:02	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	04:05:12	01:14:17	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	00:01:21	00:01:24	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	10:01:05	00:06:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	10:01:05	00:06:10	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:34:23	00:00:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:39:24	00:00:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:19:52	00:02:06	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	29:18:05	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:27

लग्न-चलित

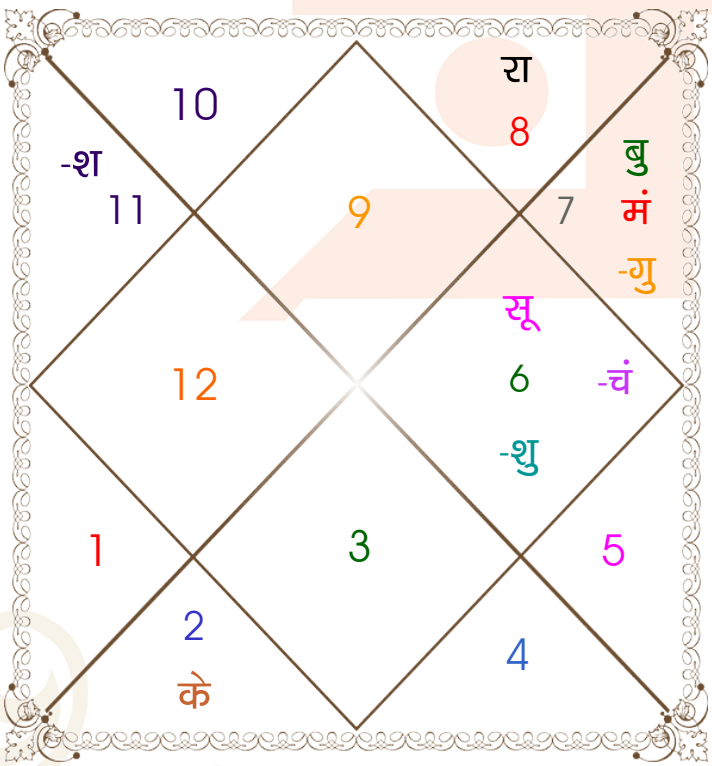

चन्द्र कुंडली

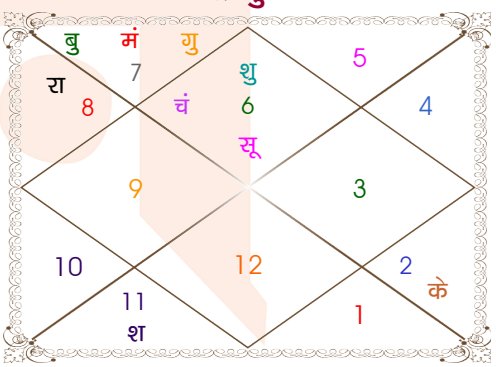

नवमांश कुंडली

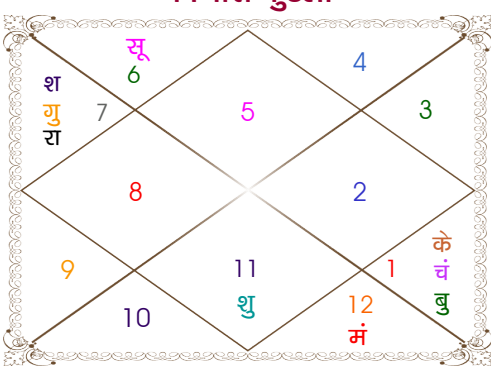

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 11 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/10/1993		10/10/2003		10/10/2010		09/10/2028		09/10/2044	
10/10/2003		10/10/2010		09/10/2028		09/10/2044		10/10/2063	
चंद्र	10/08/1994	मंगल	07/03/2004	राहु	22/06/2013	गुरु	27/11/2030	शनि	13/10/2047
मंगल	11/03/1995	राहु	25/03/2005	गुरु	15/11/2015	शनि	10/06/2033	बुध	22/06/2050
राहु	09/09/1996	गुरु	01/03/2006	शनि	21/09/2018	बुध	15/09/2035	केतु	01/08/2051
गुरु	09/01/1998	शनि	10/04/2007	बुध	10/04/2021	केतु	21/08/2036	शुक्र	30/09/2054
शनि	10/08/1999	बुध	06/04/2008	केतु	28/04/2022	शुक्र	22/04/2039	सूर्य	12/09/2055
बुध	08/01/2001	केतु	02/09/2008	शुक्र	28/04/2025	सूर्य	09/02/2040	चंद्र	13/04/2057
केतु	09/08/2001	शुक्र	03/11/2009	सूर्य	23/03/2026	चंद्र	10/06/2041	मंगल	23/05/2058
शुक्र	10/04/2003	सूर्य	10/03/2010	चंद्र	22/09/2027	मंगल	16/05/2042	राहु	28/03/2061
सूर्य	10/10/2003	चंद्र	10/10/2010	मंगल	09/10/2028	राहु	09/10/2044	गुरु	10/10/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/10/2063		09/10/2080		10/10/2087		11/10/2107		10/10/2113	
09/10/2080		10/10/2087		11/10/2107		10/10/2113		00/00/0000	
बुध	07/03/2066	केतु	07/03/2081	शुक्र	08/02/2091	सूर्य	28/01/2108	चंद्र	15/10/2113
केतु	05/03/2067	शुक्र	07/05/2082	सूर्य	09/02/2092	चंद्र	29/07/2108		00/00/0000
शुक्र	02/01/2070	सूर्य	12/09/2082	चंद्र	09/10/2093	मंगल	04/12/2108		00/00/0000
सूर्य	09/11/2070	चंद्र	13/04/2083	मंगल	09/12/2094	राहु	29/10/2109		00/00/0000
चंद्र	09/04/2072	मंगल	09/09/2083	राहु	09/12/2097	गुरु	17/08/2110		00/00/0000
मंगल	07/04/2073	राहु	27/09/2084	गुरु	10/08/2100	शनि	30/07/2111		00/00/0000
राहु	25/10/2075	गुरु	03/09/2085	शनि	11/10/2103	बुध	04/06/2112		00/00/0000
गुरु	30/01/2078	शनि	13/10/2086	बुध	11/08/2106	केतु	10/10/2112		00/00/0000
शनि	09/10/2080	बुध	10/10/2087	केतु	11/10/2107	शुक्र	10/10/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु राशि में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल सिंह का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित था। धनु राशीय संबंधित जन्म प्रभाव की आकृति इस विषय की ओर इंगित करता है कि वास्तव में आपके जन्म का स्वरूप आपको सौभाग्यशाली होने का वरदान प्रदान करता है कि आप हर दृष्टिकोण से सुगमता पूर्वक अपने जीवन कक्ष में प्रवेश करके आप अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युक्त धन संपत्तिवान होकर, आनंदित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप अबाध गति से 28 वर्ष की आयु तक के सभी कार्यकलाप नियमित रखते रहे तो यह सत्य है कि आपकी आयु की अवधि जीवन का सबसे भाग्यशाली समय प्रमाणित होगा। यह आपके जीवन का महत्वपूर्ण कदम उठाना। आपके भाग्योदय के लिए यह समय उत्तम एवं उच्चस्तरीय धन, संपत्ति उपार्जन हेतु अनुकूल समय होगा। स्वाभाविक रूप से आपके लिए यह गर्व की बात होगी। परंतु कुछ समय के लिए आप अक्खरपन दिखाने वाले होंगे। परंतु आप यदि कोई अनुचित कार्य न करें, शेष सामाजिक न्यायपालक बन कर पूर्णरूपेण पत्नी एवं बच्चों से अच्छी प्रकार संबंधित होकर रहे तथा उनके लिए कुछ भी कोई भी त्याग करने हेतु तैयार रहे। आप सदैव अपने उन मित्रों के प्रति निष्ठावान रहते हो जो आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से किसी भी कल्याणकारी कार्य हेतु अर्थ दान करोगे।

आप व्यक्तिगत रूप से विश्वासी, सच्चा, ईमानदार, सबों पर सदैव विश्वास करने वाले तथा निष्कपट भाव से सबों पर विश्वास रखने वाले हैं। आप किसी भी सभा या सार्वजनिक स्थान पर सत्यभाषण करेंगे। जो अन्यों की अपेक्षा अरूचिकर नहीं होता है। आप असावधानी पूर्वक निष्पक्ष भाव से अपनी अप्रसन्नता अभिव्यक्ति कर देते हैं। फलस्वरूप आप अपनी पवित्र अभिरूचि को सार्वजनिक कर देते हैं। परंतु आप जिनसे संबद्ध रहते हो, उन्हें अपने सिद्धांत के अनुसार महत्व प्रदान करते हो।

आप अपनी कुशाग्र, बुद्धिमत्ता एवं सैद्धांतानुसार अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित कर अपनी योजना के प्रति अग्रिम रूप से कारवाई करते हैं। आप सच्ची भावना से कठिन कर्म हेतु प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कृत संकल्पित रहते हैं। आप आर्थिक लाभांश एवं सभी प्रकार के अभाव की पूर्ति हेतु आप कार्यानुरूप प्रस्तुत रहते हैं।

आप अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। आप एक बार लेखन, व्यवसाय, संपादन कार्य, पुस्तक प्रकाशन का कार्य, कंपनी लॉ, राजनीति अथवा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन कार्य से संबद्ध हो सकते है। अतः आप वैदेशिक लोगों से संबंध का विस्तार कर, दो बार वैदेशिक भ्रमण की व्यवस्था कर सकते है। आपका किसी भी प्रकार से किसी भी विषय में यथा सट्टेबाजी आदि में आसक्त हो जाना आपके लिए अनर्थकारी प्रमाणित होगा।

आपके लिए निम्नांकित निर्देशों का अनुपालन करना उत्तम एवं समृद्धिकारक है।

आप साप्ताहिक दिनों में महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल दिन मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक फलदायी एवं अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में लाभदायक रंग सफेद, क्रीम रंग, हरा, नारंगी, सूआपंखी एवं नीला रंग उपयुक्त है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग सर्वथा अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।